दूरभाष: 23007911/7906

संकारासंपनि/02/33337/मु/01 सितंबर, 2024

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन

(संसदीय कार्य,राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय)

विषय: डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा द्वितीय अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन - 'उन्मेष'-2025 का आयोजन।

"सतत विकास के लिए विज्ञान"

"Science for Sustainable Development"

राष्ट्रीय ध्वज के समान राजभाषा भी राष्ट्र के गौरव का द्योतक है। किसी भी देश की संपूर्ण अभिव्यक्ति वहां की भाषा में अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर पाती है। राजभाषा हिंदी इस दायित्व को पूरा करने में पूरी तरह से सक्षम व समर्थ है। साथ ही हमारा देश बहुत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और इस विकास में भाषा और विज्ञान दोनों की ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विज्ञान का उद्देश्य सामान्य जनता के हित में ज्ञान का विकास करना है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और नवोन्मेषी वैज्ञानिकों को इस बात की ओर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है कि ये वैज्ञानिक प्रयास एवं शोध परिणाम जन-जन तक पहुंचे।

2. इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर **10-11 जनवरी 2025** को **"सतत विकास के लिए विज्ञान/Science for Sustainable Development"** विषय पर डीआरडीओ मुख्यालय अपनी हैदराबाद स्थित प्रयोगशाला **अनुसंधान केन्द्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद** में एक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में केवल रक्षा विज्ञान ही नहीं बल्कि विज्ञान के कई अन्य पक्षों पर भी प्रकाश डाला जाएगा, जिसमें आपके **संगठन/विश्वविद्यालय/कार्यालय** से सक्रिय प्रतिभागिता की अपेक्षा है ताकि हमारा प्रयास सफलता की सभी संभावनाओं के चरम पर पहुंचे।

3. **सम्मेलन से जुड़ी सभी जानकारी संलग्न विवरणिका में दी गई है।**

सुनील शर्मा
(उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक)

सभी निदेशालय

आवश्यक जानकारी

1.शोध पत्र का प्रारुप

- परिचय
- की वर्ड्स
- शोध अनुप्रयोग पर चर्चा
- निष्कर्ष
- आभार
- संदर्भ (मूलरूप-अनुवाद की आवश्यकता नहीं)

2. अन्य सूचना

- यूनिकोड में टंकित
- अधिकतम 4000 शब्द
- शीर्षक (बोल्ड, फोंट साइज - 16)
- उपशीर्षक (बोल्ड, फोंट साइज - 14)
- शेष सामग्री (फोंट साइज - 12)
- तस्वीरों के नीचे संबंधित सूचना पंक्ति उद्धृत हो (उदाहरण - चित्र-1)

3. एक से अधिक रचनाकार की स्थिति में मुख्य रचनाकार को प्रथम स्थान पर रखें।

4. संपर्क रचनाकार का नाम अलग से उद्धृत करें।

➢ **लेख प्राप्ति की अंतिम तिथि: शोध-पत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 है। इस तिथि के बाद प्राप्त होने वाली प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं होंगी।**

➢ **शोध पत्र चयन से संबंधित सूचना 01 दिसंबर 2024 तक दी जाएगी।**

सभी पत्राचार निम्नलिखित ई-मेल के माध्यम से करें:

drdo.sammelan@gov.in

श्री काज़िम अहमद, सहायक निदेशक (रा.भा.)

समन्वयक- हैदराबाद, फोन न.8340925054

श्रीमती अरुण कमल, सहायक निदेशक (रा.भा.)

समन्वयक- दिल्ली फोन न.9811015727

पंजीकरण प्रपत्र

सेवा में

निदेशक
संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय, डीआरडीओ
मुख्यालय, नई दिल्ली–110011

इस कार्यालय/विश्वविद्यालय से निम्नलिखित वक्ता प्रतिभागियों को संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सम्मेलन में भाग लेने हेतु नामित किया जाता है।

नाम ....

पदनाम ....

शोधपत्र / लेख का शीर्षक ....

कार्यालय/विश्वविद्यालय का नाम ....

पता ....

....

....

....

दूरभाष ....

मोबाइल ....

फैक्स ....

ई–मेल ....

सभी पत्राचार निम्नलिखित ई–मेल के माध्यम से करें:
drdo.sammelan@gov.in

'उन्मेष–2025'

दो दिवसीय राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सम्मेलन
आयोजन का उद्देश्य

आज के इस सूचना एवं प्रौद्योगिकी के युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में हो रहे नव अनुसंधानों से उत्सर्जित ज्ञान का सफल प्रबंधन अपरिहार्य है। इस राजभाषा सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे सभी नवीनतम अनुसंधानों और संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है। हिंदी आम जनमानस की भाषा है और इस सम्मेलन के द्वारा विज्ञान के माध्यम से हो रहे अकल्पनीय परिवर्तनों के साथ–साथ विश्व को एक नई दिशा देने वाली प्रौद्योगिकीय संभावनाओं पर राजभाषा हिंदी में विचार रखे जाएंगे। राजभाषा हिंदी में प्रस्तुत किए गए ये वैज्ञानिक एवं तकनीकी शोध-पत्र/लेख, प्रस्तुतियां हमारे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े युवा शोधार्थियों तक पहुंचे, यही हमारा लक्ष्य है।

राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सम्मेलन का विषय

सतत् विकास के लिए विज्ञान

आयोजन तिथि

10-11 जनवरी 2025

आयोजन स्थल

आरसीआई, सभागार
अनुसंधान केन्द्र इमारत, हैदराबाद

'उन्मेष-2025'

द्वितीय अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन
सम्मेलन विवरणिका

10–11 जनवरी 2025

मुख्य आयोजक
डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली

सह आयोजक
अनुसंधान केन्द्र इमारत, हैदराबाद

मुख्य संरक्षक
डॉ. समिर वी. कामत
सचिव, रक्षा अनु. एवं वि. विभाग एवं अध्यक्ष डीआरडीओ

संरक्षक मंडल

श्री यू राज बाबू
महानिदेशक (एमएसएस)

डॉ. मनु कोरुला
महानिदेशक (आर एवं एम)

संयोजक

श्री अनिंद्य बिस्वास
उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक
अनुसंधान केन्द्र इमारत,
हैदराबाद

श्री सुनील शर्मा
उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक
संसदीय कार्य, राजभाषा तथा
संगठन पद्धति निदेशालय, दिल्ली

सह संयोजक

डॉ. एम के गुप्ता
वैज्ञानिक 'एफ'

श्री चंद्र प्रकाश मीणा
वैज्ञानिक 'ई'

समन्वयक

श्री काज़िम अहमद
सहायक निदेशक (रा.भा.)
हैदराबाद
फोन नं. 8340925054/9490166581

श्रीमती अरुण कमल
सहायक निदेशक (रा.भा.)
दिल्ली
फोन नं. 9811015727

डीआरडीओ–एक परिचय

डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय की अनुसंधान एवं विकास शाखा है, जो भारतीय सशस्त्र बलों के लिए अत्याधुनिक हथियारों तथा प्रणालियों के डिजाइन तथा विकास में शामिल है जिसका विजन है देश को अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों से सशक्त बनाना। डीआरडीओ की स्थापना 1958 में विज्ञान आधारित क्षमताओं के निर्माण के लिए की गई, जिससे मौजूदा शस्त्र प्रणालियों और अन्य आयातित रक्षा उपकरणों के स्थान पर स्वदेशी उपकरण तैयार किए जा सकें।

राजभाषा हिंदी के संदर्भ में की गई डीआरडीओ की कुछ महत्वपूर्ण पहल :

- डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा प्रतिवर्ष 10 वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठियों का आयोजन।
- विज्ञान, इतिहास और साहित्य की विभिन्न विधाओं की हिंदी पुस्तकों का प्रकाशन।
- राजभाषा विभाग की कीर्ति पुरस्कार योजना के अन्तर्गत कई बार डीआरडीओ की पत्रिकाओं को पुरस्कार प्राप्त।
- कंठस्थ-2 का डीआरडीओ इंट्रानेट 'द्रोणा' पर कस्टमाइजेशन।
- विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर प्रथम अखिल भारतीय तकनीकी सम्मेलन उन्मेष–2024 का आयोजन।
- डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा लगभग 50 गृह पत्रिकाओं के सामान्य एवं तकनीकी अंकों का प्रकाशन।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की अनेक नई पहलों के सफल कार्यान्वयन में भागीदारी।
- अमृत महोत्सव के अवसर पर 25 शोध पत्रों के संकलन का हिंदी में प्रकाशन एवं 25 क्षेत्रीय भाषाओं के शोध पत्रों के संकलन का प्रकाशन।
- डीआरडीओ विशेष वैज्ञानिक शब्दावली का प्रकाशन।

डीआरडीओ देश की सुरक्षा के साथ–साथ भाषा के विषय पर भी सजग है और राजभाषा से जुड़ी अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति सदा समर्पित रहा है।

हैदराबाद - एक परिचय

हैदराबाद दक्षिण भारत के तेलंगाना राज्य की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 1591 में मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने मूसी नदी पर की थी। यह शहर दक्कन के पठार पर स्थित है और यह भारत का पांचवा सबसे बड़ा शहर है।

हैदराबाद शहर का इतिहास लगभग चार सौ साल पुराना है। ऐतिहासिक दृष्टि से गोलकोंडा किला, चारमीनार, चौमहल्ला पैलेस, फलकनुमा पैलेस आदि हैदराबाद शहर के मुख्य आकर्षण हैं। निज़ामों के शासन के दौरान उस्मान अली खान और मीर यूसुफ अली खान (सालार जंग III) ने मिलकर सालार जंग संग्रहालय का निर्माण किया, जो दुनिया के सबसे बड़े निजी संग्रहालयों में से एक है, जिसमें दुनिया के हर हिस्से से प्रदर्शनियां शामिल की गई हैं। संग्रहालय में लकड़ी की नक्काशी, मूर्तियां, फारसी लघु चित्र, हथियार और 50,000 पुस्तकों की लाइब्रेरी सहित 35,000 से अधिक वस्तुएं हैं। हैदराबाद में पर्यटन के लिए अन्य प्रसिद्ध स्थान हैं बिड़ला मंदिर, रामोजी फिल्मसिटी, नेहरु प्राणी उद्यान, एनटीआर उद्यान, लुम्बिनी पार्क आदि। बिड़ला मंदिर 1976 में सफेद राजस्थानी संगमरमर से बनाया गया था और यह मंदिर हुसैन सागर झील के पास एक चट्टानी पहाड़ी पर स्थित है। रामोजी फिल्म सिटी दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत फिल्म शहर है और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे पूरे विश्व में सबसे बड़ा स्टूडियो परिसर बताया है। रामोजी फिल्म सिटी में फिल्म बनाने के व्यापक उपकरण और विस्तृत सुविधाएं हैं जिनका उपयोग भारत के सभी राज्यों के फिल्म निर्माताओं द्वारा किया जा रहा है।

आवश्यक जानकारियां

- **लेख प्राप्ति की अंतिम तिथि :** शोध–पत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 है। इस तिथि के बाद प्राप्त होने वाली प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं होंगी।
- शोध-पत्र चयन से संबंधित सूचना 01 दिसंबर 2024 तक दी जाएगी।

लेख तैयार करने एवं प्रस्तुतीकरण संबंधित सामान्य दिशा-निर्देश निम्नलिखित हैं :

1. लेख/शोध-पत्र की सॉफ्ट कॉपी (वर्ड प्रारूप) नाम, पदनाम एवं कार्यालय का नाम तथा मोबाइल नं. एवं ई मेल आईडी के साथ अपलोड करें।
2. लेख के साथ मौलिकता एवं गोपनीयता प्रमाण-पत्र अवश्य भेजें। (प्रारुप संलग्न)
3. सम्मेलन में लेख/शोध पत्र प्रस्तुतीकरण की भाषा राजभाषा हिंदी है। प्रस्तुति का एक सत्र तेलुगु भाषा के शोध-पत्रों का भी होगा।
4. लेख की भाषा सरल हिंदी हो, लेख में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों के अनुप्रयोग का प्रयास किया जाए। तेलुगु भाषा में भी उद्धत विषय पर शोध-पत्र आमंत्रित हैं।
5. तकनीकी लेख में अनुसंधान एवं विकास से संबंधित कार्यों के प्रस्तावना के साथ, शोध कार्य का विवरण, महत्वपूर्ण परिणाम, उपयोगिताएं एवं अंत में कार्य का निष्कर्ष लिखना बेहतर होगा।
6. पूर्ण लेख की यूनिकोड फॉन्ट में टंकित सॉफ्ट प्रति (वर्ड प्रारूप) भेजें। शीर्षक का फॉन्ट साइज 14 और लेख का फॉन्ट साइज 12 होना चाहिए। लेख की ए4 साइज में वर्ड में प्रेषित सॉफ्ट प्रति (वर्ड प्रारूप) ही स्वीकार्य होगी।
7. पूर्ण लेख में पृष्ठों की अधिकतम संख्या 6 ही रखें।
8. सम्मेलन में प्रस्तुतियों हेतु विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। उत्कृष्ट चयनित लेख/शोध-पत्र की मौखिक प्रस्तुति के लिए वक्ता को दस मिनट का समय दिया जाएगा।
9. चयनित प्रतिभागियों को प्रस्तुतियों के संदर्भ में आगे सूचना दी जाएगी।
10. **सम्मेलन स्मारिका :** सम्मेलन में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी स्वीकृत लेखों को सम्मेलन स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा।
11. **आवास व्यवस्था :** सम्मेलन के लिए चयनित विद्यार्थी प्रतिभागियों के लिए अग्रिम सूचना के आधार पर आवास की व्यवस्था की जाएगी। अन्य प्रतिभागी अपने आवास एवं परिवहन का प्रबंध स्वयं करेंगे।